

प्रेषक,

मनोज कुमार सिंह,  
सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

आयुक्त,  
ग्राम्य विकास,  
उ0प्र0 लखनऊ।

ग्राम्य विकास अनु0-2

लखनऊ: दिनांक: 28 सितम्बर, 2010

**विषय:-** जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों को चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के सम्बन्ध में।

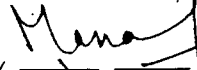
महोदय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों को चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-डी-908/38-2-2004-2(59)डी/04, दिनांक 03-12-04 में रू0 2,00,000/-से अधिक की चिकित्सा प्रतिपूर्ति सम्बन्धी दावों के प्रतिहस्ताक्षरकर्ता/स्वीकर्ता अधिकारी की कोई व्यवस्था नहीं है। अतः शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों के रू0 2,00,000/-से अधिक के चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावों का निस्तारण किये जाने हेतु प्रतिहस्ताक्षरकर्ता/स्वीकर्ता अधिकारी निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार उक्त शासनादेश संख्या-डी-908/38-2-2004-2(59)डी/04, दिनांक 03-12-04 में आंशिक संशोधन करते हुये उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 03-12-04 के प्रस्तर-1 की तालिका तथा प्रस्तर-2 में तात्कालिक प्रभाव से निम्नलिखित अंश और जोड़े जाते हैं :—

प्रस्तर-1-4	रू0 2,00,000/-से अधिक	मण्डलीय अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (जिन मण्डलों में अपर निदेशक नहीं हैं, वहाँ संयुक्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	शासन के प्रशासकीय विभाग/ग्राम्य विकास द्वारा चिकित्सा विभाग के परामर्श एवं वित्त विभाग की सहमति से।
-------------	-----------------------------	---	---

**प्रस्तर-2** रू0 2,00,000/- से अधिक के चिकित्सा अग्रिम के मामले में प्रशासकीय विभाग/ग्राम्य विकास विभाग द्वारा वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जायेगी।

2- उक्त संदर्भित शासनादेश संख्या-डी-908/38-2-2004-2(59)डी/04, दिनांक 03-12-04 इस सीमा तक संशोधित समझा जाय। शेष शर्तें एवं प्राविधान यथावत् रहेंगे।

भवदीय,  
  
( मनोज कुमार सिंह )  
सचिव।

संख्या-७/१०१ (१)/३८-२-२०१० तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :---

- 1- अध्यक्ष, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण।
- 2- समस्त जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी, उ०प्र०।
- 3- समस्त परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, उ०प्र०।
- 4- समस्त संयुक्त/उप विकास आयुक्त, उ०प्र०।
- 5- महानिदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, लखनऊ।
- 6- ग्राम्य विकास अनुभाग-१
- 7- गार्डबुक।

आज्ञा से,  
( आर०पी० सिंह )  
अनु सचिव।